जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 168
दिनांक 16.10.2023

अमृततुल्य पौष्टिक भोजन को अंतिम व्यक्ति एवं जीव तक पहुंचाना हमारी पहली प्राथमिकता–कुलपति डॉ.पी.के. मिश्रा

जनेकृविवि में जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें थीम पर विश्व खाद्य दिवस कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर 16 अक्टूबर, 2023। एसोसिएशन ऑफ फूड साइंटिस्ट एंड टेक्नॉलॉजी जबलपुर चेप्टर एवं खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में, **''जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें''** (water is life,water is food Leave no one behind) थीम पर विश्व खाद्य दिवस 2023 का आयोजन जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यआतिथ्य में स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय,जबलपुर में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने मुख्यअतिथि की आंसदी से कहा कि जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें पर केन्द्रित इस थीम का उद्देश्य पृथ्वी पर जीवन के लिये पानी की महत्वपूर्ण भूमिका और हमारे भोजन की नींव के रूप में पानी को उजागर करना शामिल है। वर्ल्ड फूड डे के उद्श्यों को पूरा करने के लिये कृषि संबंधित कार्यो और भोजन बनाने के लिये स्वच्छ और पर्याप्त पानी जरूरी है। आपने कहा कि अमृततुल्य भोजन पदार्थ को अंतिम व्यक्ति एवं जीव तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। कुलपति डॉ. मिश्रा ने शोध छात्रों को इस दिशा में नवीन अनुसंधान, फूड इंडस्ट्री की ओर रूझान बढ़ाने एवं भविष्य की चुनौतियों से निपटने की दिशा में कार्य करने की बात कही है।

खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस.शुक्ला ने कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन एवं 35 वर्षो से लगातार वर्ल्ड फूड डे कार्यक्रम विभाग द्वारा मनाने हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सुमन प्रोजेक्ट कन्सलटेंट प्राईवेट लिमिटेड दिल्ली के चेयरमेन एण्ड मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सागर कुराड़े मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थिति हुये। इस दौरान आपने कहा कि खाद्य पदार्थो की उपयोगिता व गुणवत्ता एवं सुरक्षा के साथ ही फूड इंडस्ट्री के संबंध में पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से विस्तार से प्रकाश डाला, साथ ही भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, भारत कहा खड़ा, विभिन्न राज्यों की कमोडिटी ताकतें, भारत में कच्चे माल का रोड मैप सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रोफेसर एण्ड हैड स्वॉइल एण्ड वॉटर इंजीनियरिंग, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एवं नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा ने अपने व्याख्यान में विश्व वर्ल्ड डे 2023 की थीम **''जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें''** पर पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रकाश डाला। साथ ही भविष्य में जल की उपयोगिता एवं जल संकट सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बिंदुवार जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कुलपति डॉ. मिश्रा एवं अतिथियों का साल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ट वैज्ञानिक डॉ. अर्चना पांडे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अजय गुप्ता द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर, डॉ.पी.बी.शर्मा, नाहेप प्रमुख डॉ. आर.के. नेमा, विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. शुक्ला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, डॉ. सागर कुराड़े मंचासीन रहे। साथ ही कार्यक्रम में संचालक प्रक्षेत्र एवं पौध प्रजनक एवं अनुवांशिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस.शुक्ला, पौध रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जयंत भट्ट, कीटशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी.दास, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी.एस.कुल्हारे, उपकुलसिचव डॉ. आर.के. समैया, डॉ. दीपक जयसवाल सहित अन्य विभागाध्यक्ष एवं फूड साइंस विभाग की डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर सहित अन्य वैज्ञानिक एवं छात्र व छात्राएं उपस्थित रही।